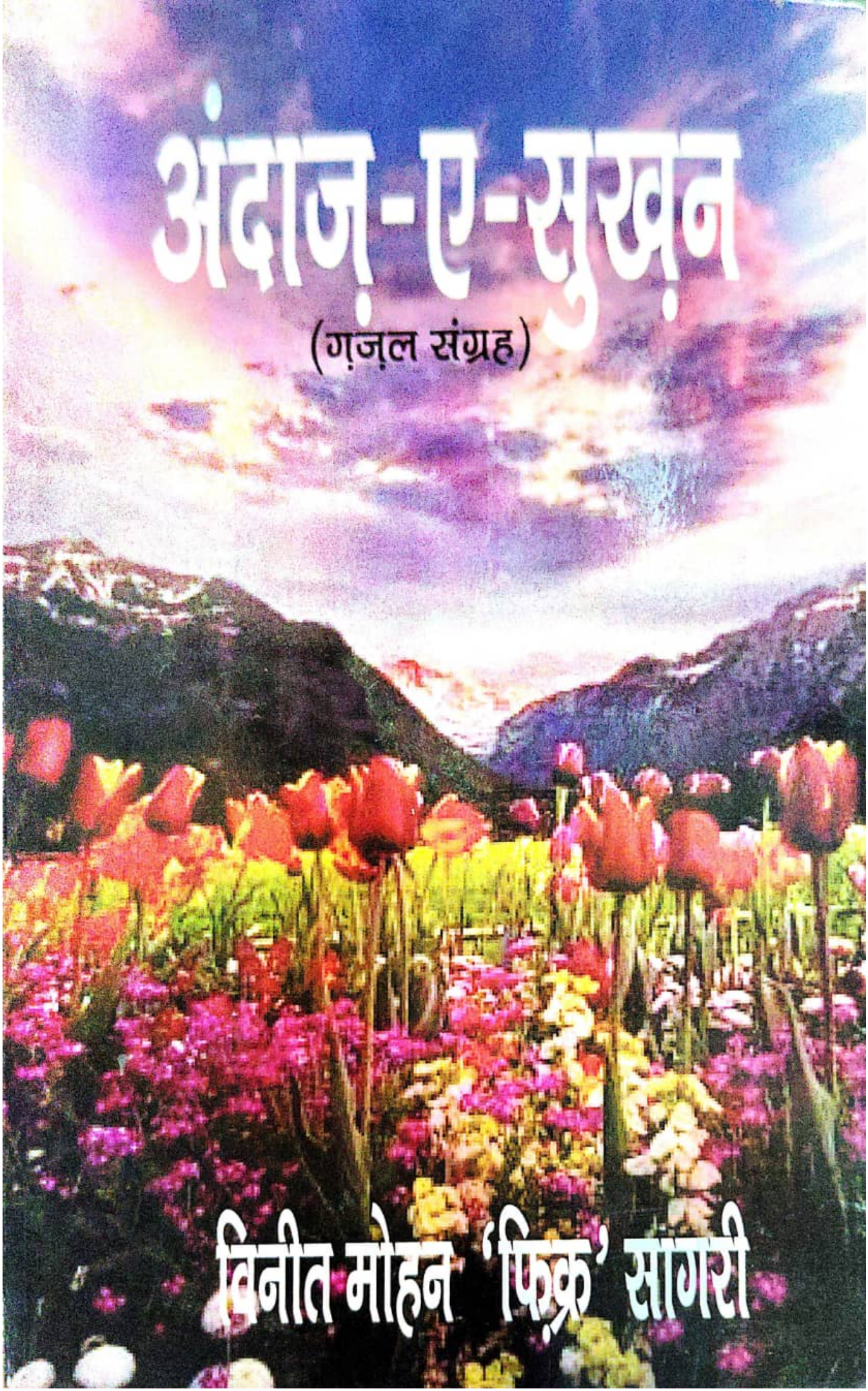

अंदाज़-ए-सुख़न

(ग़ज़ल संग्रह)

विनीत मोहन 'फ़िक्र' सागरी

Scanned with OKEN Scanner

जिज्ञासा प्रकाशन प्रा. लि. गाजियाबाद-201013
ISBN- 978-93-89916-63-8
मूल्य-200/-
प्रथम संस्करण - 2020
© विनीत मोहन 'फ़िक्र' सागरी

संपादक
मित्रपाल शिशौदिया

प्रकाशक
जिज्ञासा प्रकाशन प्रा.लि. गाजियाबाद-201013
मो.9958426855/8810598485
E-Mail-jigyasaprakashan2019@rediffmail.com
मुद्रक - निधि प्रिंटर्स गाजियाबाद-201013

ANDAZ-E-SUKHAN (GAZAL SANGRAH)
WRITER – VINEET MOHAN AUDICHYA
PRICE – Rs.200/-

Scanned with OKEN Scanner

१. आज़ार ज़िन्दगी के

बढ़ते ही जा रहे हैं आज़ार ज़िन्दगी के।
लगते नहीं हैं अच्छे आसार ज़िन्दगी के॥

इक शोख़ सी ग़ज़ल का उन्वान खो गया ज्यों,
फीके से हो चले हैं अशआर ज़िन्दगी के।

मुश्किल सवाल सारे कंधों पे लादकर मैं,
नख़रे उठा रहा हूँ दुश्वार ज़िन्दगी के।

मुँह फेर कर हक़ीक़त झुठला सके न कोई,
आईना रूबरू है हर बार ज़िन्दगी के।

गुरबत से तंग आकर रूठी हुई हैं खुशियाँ,
खोने लगे हैं मानी त्यौहार ज़िन्दगी के

था होश भी न मुझको ठोकर लगी तो जाना,
होते नहीं हैं रस्ते हमवार ज़िन्दगी के।

उधड़े हुए हैं रिश्ते कितना रफू करूँ मैं,
चुभते हैं 'फ़िक्र' अब तो ग़मख़्वार ज़िन्दगी के।

२. दिल नुमाइश में

दिल नुमाइश में सरेआम न लाए रखिए।
ज़ख्म गहरा न हो अपनों से बचाए रखिए॥

कौन आवाज़ सुने है कहाँ मज़लूमों की,
आसमाँ लाख ये दिन रात उठाए रखिए।

इक तमाशा न बनाओ उसे बतलाकर,
राज़ की बात है सीने से लगाए रखिए।

हाथ को हाथ सुझाई न यहाँ देता है,
इन अँधेरों में चरागों को जलाए रखिए।

लोग तो देख के हँस हँस के चले जायेंगे,
घर की है बात तो फिर घर में छिपाए रखिए।

वार पीछे से सभी करके निकल जाते हैं,
फ़ासला आप भी अपनों से बनाए रखिए।

नफ़रतों को न बढ़ा ख़ाक में मिल जायेगा,
'फ़िक्र' गर शौक़ है तो दिल को मिलाए रखिए।

,,,

Scanned with OKEN Scanner

परिचय

नाम - विनीत मोहन औदिच्य
तखल्लुस - फ़िक्र सागरी
जन्म - १० फरवरी, १९६१
जन्म स्थान - तहसील - करहल जिला - मैनपुरी, उ. प्र.
निवास - शांति बिहार कालोनी, सागर, मध्य प्रदेश -४७०००४
संपर्क सूत्र - मोबाइल नंबर- ७९७४५९२४८७१
ई-मेल - v.maudichya@yahoo.com

लेखन विधा - ग़ज़ल, और हिंदी कविता

प्रकाशित पुस्तकें -

ग़ज़ल संग्रह - खुशबू-ए-सुखन, व कारवाँ-ए-ग़ज़ल
काव्य संग्रह - काव्य प्रवाह, व भाव स्रोतस्विनी

साझा संग्रह - ९

साहित्यिक उपलब्धियां विभिन्न साहित्यिक समूहों द्वारा साहित्यिक सम्मान व सर्वश्रेष्ठ रचनाकार सम्मान।
सम्प्रति - सहा. प्राध्यापक,
उच्च शिक्षा विभाग, म. प्र. शासन के अंतर्गत शासकीय महाविद्यालय में अंग्रेजी साहित्य व भाषा का अध्यापन

जिज्ञासा प्रकाशन
ग़ाज़ियाबाद-२०१०१३
9 789389 916638
RS.200/-

Scanned with OKEN Scanner